>

Title: Need to check emission norms of Sulphur-di-oxide gas released in atmosphere from Indian Oil Refinery, Mathura.

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, सरकार हर वर्ष लाखों करोड़ों रूपए पर्यावरण संरक्षण व जागरूकता पर खर्च करती है पर पर्यावरण की सुरक्षा को धत्ता बताकर जानलेवा हानिकारण सल्फर डाई आक्साइड नामक गैस जो प्रदूषण के ा।लए सबसे जयादा जिम्मेदार मानी जाती है, को अनियंत्रित तरीके से वैंतावरण में छेंड़ा जा रहा हो तो स्थिति और ज्यादा ख्ातरनाक होती है और ऐसे में यह जीवन के ा।लए धीमा जहर से कम नहीं है।

यह कार्य बहुत दूर नहीं बल्कि दिल्ली से मात्र 150 किलोमीटर दूर इंडियन ऑयल की इकाई मथुरा रिफाइनरी में सुरक्षा और आकाशीय पर्यावरण में सल्फर डाई आक्साईड नामक गैस को नियंत्रित करने वाली तीन रिकवरी यूनिटों में से एक यूनिट के खराब होने से पैदा हुई है। सल्फर को रिफायनरी की चिमनी से निकलने वाली आग के साथ वैंतावरण में छेंड़ा जा रहा है। चिमनी की गैसें मानकों के अनुरूप न होने के कारण आसपास के वैंतावरण को दूषित करने के ा।लए काफी है जो पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के ा।लए ख्ातरों को जन्म दे रही है।

यह स्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ा अत्यधिक गंभीर मामला है। सरकार को अविलम्ब इस ओर ध्यान देना चाहिए। जो अधिकारी इस कार्य के ा।लए दोषी है उनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करनी चाहिए जिससे मानव जीवन से खिलवाड़ करने का हक किसी को न दिया जाये।

(ξ ш ιι) Treated as laid on the Table.